947. श्रवभ्यम् Вале. Р. 4,7,56. सह्मम् 3,33,7. Вилтт. 3,38. श्रह्मासीत् 15,6. ह्माम्यसि Вилс. Р. 1,7,16. ह्मास्यस् М. 2,245. med.: ह्मायसे МВн. 13, 2987. जलपांसभिविकंगा: VARAH. BRH. S. 28, 13. स्नापीत MBH. 3,7072. Mâre. P. 34,34. 35,28. 32. भरमना त्रिषवणम् so v. a. sich einschmieren SARVADARÇANAS. 77,20. ह्नायमान MBs. 7,2598. ह्नास्ये 13,2762. स्रह्मायि pass. impers. Rîéa-Tab. 3,286. स्त्रातुम् R. 1,63,4. Spr. (II) 4983. Kaтыля. 20,172. 39,110. साला М. 2,176. 181. 3,4. 288. 5,87. 103. 144. 6,69. 11,186. 201. 204. MBH. 1,5873. 5900. 3,5001. R. 1,2,10. 2,56, 25. 64,32. 71,7. ภาริ: प्रोभि: Spr. (II) 7238. Weben, Kasemac. 269. कृष्वतिलेनेषादे। 270. 274. 289. 291 (स्°). विमले 308. fg. Pankan. 1,3, 49. Pankar. 34, 21. 97, 18. — partic. 長れ 1) gebadet, gewaschen (insbes. nach Abschluss der Lehrzeit, beim Eintritt in den Stand eines Haushalters; vgl. स्नातक) AV. 11,5,26. मलादिव VS. 20,20. KAUG. 41. 67. 80. 140. Âçv. Grej. 2,2,2. 4,7,1. Pâr. Grej. 2,7. Çâñke. Grej. 4,10. Jiék. 1,117. ऋती तं चैंव माता च स्नाते प्ंसवनाय वे MB#. 3,11059 (S. ४७७). म्रवभृष्येषु ७,२९२६. नादकिक्तिनगात्रस्तु स्नात इत्यभिधीयते । स स्नाता यो रमस्नातः सबान्धाभ्यसरः श्रचिः ॥ 13,5857. कृटक्कारिव R. 2,63,16. 4, 25,6. विषयिहरूकी: Kâm. Nitis. 7, 10. 45. Çân. 108. Vanan. Ban. S. 46, 15. 48,72. 98,13 (°मात्र). पांसुबली: Vögel 95,16. तुरुग 44,15. प्रतिमा स्वर्णार लाम्ब्भि: 60,10. 14. Katelis. 18,367. Riéa-Tar. 2,137. श्रृक्ताति-ली: Weben, Krshnag. 278. Buig. P. 3, 23, 31. 10, 20, 49. Daçan. 75, 4. Нит. 10,8. वेर्ज़ते: so v. a. वेर्ज़तस्नात Манаvinak. 77,2. मया स्नातं क्रत्र Vor. 5,28. स्नातापवृत्तेस्तुर्गैः MBn. 5,7164. स्नातानुलिप्त P. 2,1, 49, Schol. Suga. 1,113,6. Rlfa-Tar. 3,241. Dagak. 65,16. Hit. 42,1. सु ° Spr. (II) 7144. Riéa-Tar. 3,490. श्र ° Brig. P. 4,28,19. प्र ° Kauç. 64. TIT: (s. auch bes.) HARIV. 1289. R. 5, 3, 29. 6, 99, 6. MARK. P. 34,36. शतुस्त्राता R. 2,75,36. Ragh. 1,76. Raga-Tar. 5,391. Schol. zu Katj. Çr. 4,1,22. सन्मङ्गल ° Ragh. 4,41. श्रवभ्य ° M. 11,82. — 2) der sich in Etwas vertieft hat, erfahren (vgl. निज्ञात) R. Gonn. 1,11,6. परावरे ब्रह्म-पि выль. Р. 1,8,7. विषये वाचाम् 4,13. धर्म 4,24,13. — स्नात R. 2, 65,8 schlechte Lesart für स्नान (so ed. Bomb.). Vgl. मृतस्नात, विद्याः, विद्यात्रत॰ (R. 2,1,14. विद्यावेदत्रत॰ MBs. 13,4294. R. 6,72,62. वेद-न्नत॰ MBs. ७,२९२६), न्नत॰, शिरः॰, सु॰.

— caus. स्रिपिति und स्निपिति (nur dieses bei Präpp.) Duâtup. 19, 68. Vop. 18,23. baden, waschen, schwemmen. 1) स्नपः मृतम् AV. 5,19, 14. ग्रीमूत्रेषा Kâtı. Çr. 25,11,16. Çat. Br. 5,1,4,5. Hariv. 9509. 9513. जुचावृत्तिर्भ्राम: R. 2,29,22 (26 Gorr.). 5,25,55. 6,94,11. 95,44. Мрайн. 172,12. Kir. 5,44. 47. Мвен. 44. Кимараз. 7,10. पत्रनं सिलिली: Spr. (II) 6335. Z. d. d. m. G. 27,68. Uttarar. 53,10 (69,1). Mâlatim. 60,11. Katul. 11,49. 14,49. 39,111. 56,188. पपसि Git. 1,10. स्मितस्रिपिताध्रा 12,1. Råéa-Tar. 2,125. wegwaschen AV. 10,1,9. eintunken in (loc.) Вийчара.; s. u. जुण्डलिन् 3) b). — 2) स्नाः स्रम् Çайки. Çr. 16,18,10. МВн. 3,14024. 12,12199. 13,1488. 15,947. Нагіч. 7793. 9462. R. 1,26, 19 (27,18 Gorr.). 38,26. 2,91,51 (100,50 Gorr.). 6,106,3. Suçr. 1,369, 6. क्रस्ट्यश्रं स्नापयीत पः Varân. Врн. S. 48,87. Råéa-Tar. 2,117. 3,372. Дасак. 92,1 v. u. स्नानेन Виâc. P. 3,23,28. 5,6,18. 9,10,40. 16,6,20.

- desid. सिञ्चासतिः, vgl. सिञ्चास्
- म्रप s. म्रपस्नात.

VII. Theil.

- म्रिभ s. म्रिभिन्नातः
- म्रव, partic. ेस्नात das Wasser, in dem sich Imd gebadet, gewaschen hat: म्रन्यस्य चाप्यवस्नातं हरतः परिवर्षयेत् MBs. 13, 5014. caus. ्स्नापयति abwaschen Kaug. 28.
 - ग्रा s. ग्राह्मान.
- उद् aus dem Wasser steigen, heraustreten: त उत्झाय र्पिम्भि प्र तंस्यु: R.V. 2,15,5. तीर्थेनोत्झायु: Çat. Ba. 12,2,1,5. प्रृत उत्झाति macht sich heraus aus dem Feuer (Comm.) TBa. 3,7,5,3. partic. उत्झात P. 8,4,61, Schol. in einer Etymologie Nin. 7,12. aus der Gåjatri herausgetreten (mit drei Silben) nach Durga.
- नि sich vertiefen in (loc.): शब्द्बस्यणि निज्ञाता न निजापात्परे य-दि Buis. P. 11,11,18. partic. °ज्ञात 1) erfahren, kundig P. 8,3,89. H. 342. Hali. 2,180. Jiék. 1,321. शब्द्बस्यणि Maitajup. 6,22 (= MBu. 12,8541). सर्वास्त्रेषु MBu. 1,3988. 2,175. सर्वत्र 3,10020. सर्वासु विद्यासु Hariv. 674. R. Gora. 1,80,28. कर्मसु Suça. 1,12,12. Miak. P. 129,15. रुज्ञुवर्तिने P. 8,3,89, Schol. Buis. P. 2,4,10. 3,22,34. 4,24,9. 5,24,24. 11,11,18. युज्ञुणम् 1,4,21. लोकवृत्तास् ° Çie. 65,17. दि. कुटिलन्य ° Milatim. 37,3. स्रति ° Daçak. 78,7. धर्म प्रति निज्ञातसम् (so ist zu lesen) Kull. zu M. 10,85. 2) worüber man sich geeinigt hat Jiék. 2,84. Milatim. 174,13. Nach dem Schol. zu P. 8,3,89 soll in nicht übertragener Bed. निस्नात zu schreiben sein. Vgl. निज्ञ.
- प्र in's Wasser troten: तीर्चेन ÇAT. Ba. 12,2,1,1. fgg. PANÉAY. Ba. 9,4,13. समुद्रम् 14,5,17. КАТВ. 33,5 (vgl. TS. 7,5,2,2). प्रह्मातीि र्वोन्सा: R.V. 8,64,8. Vgl. प्रह्म, प्रह्मात्त्र, प्रह्मेय. caus. sich baden in (acc.): हिर्षे पञ्च स्वसीर: प्रह्मापर्यस्यूर्मिषीम् R.V. 9,98,6. प्रह्मिपतां मृत-वेत्साम् gebadet A.V. 10,1,10.
- प्रति, partic. ° ज्ञात in Verbindung mit सूत्र P. 8,3,90. gereinigt (प्रद) Comm.; sonst िस्रात ebend.
 - वि zur Etymologie von विष = उदक Nis. 12,26.
- सम् zur Etymologie von सिंह्न = संस्नात Nia. 5,1. caus. baden, waschen; mit kurzem Wurzelvocal Bale. P. 8,2,25. mit langem Verz. d. Oxf. H. 10,a, N. 2. Çata. 14,188.
- 2. स्ना, जा (= 1. स्ना) adj. am Ende eines comp. gebadet, getaucht; vgl. उर्ह्याः, चत्र, सुस्नाः
- 3. स्ना, स्नापति (वेष्ट्रने) Dhàrup. 22, 25. umwinden, bekleiden: पाञ्चल्याः पद्मपन्नाद्याः (so ist zu lesen st. पद्मपात्राः) स्नापत्त्या ज्ञघनं घनम् Citat aus dem MBs. bei Såj. nach Westergaard.

स्नाता f. gaṇa मालादि zu P. 6,2,88. प्रस्थ ebend.

ह्रोतिक (von ह्रात) gaṇa पावादि zu P. 5,4,29. adj. subst. der das Bad genommen hat, welches die Lehrzeit abschliesst, AK. 2,7,42. H. 808. Halâs. 2,239; vgl. Âçv. Gaəls. 3,9,4. — Çat. Ba. 12,1,4,10. Gobb. 3,8,12. 4,9,1. Pâr. Gaəls. 2,7. Âçv. Gaəls. 3,9,6. Kauç. 13. Ind. St. 2, 75. 9,14. M. 1,113. 2,138. fg. 3,119. 4,13. 33. fg. 128. 130. 5,1. 6,1. 10,113. 11,2. Jåéń. 1,110. MBs. 1,159. 5184. 2,789. 4,543. 7,2918. 13,3098. 4671. Ragh. 7,25. 17,17. Mirk. P. 34,91. Dbórtas. 71,1. Verz. d. Oxf. H. 163,a, N. 1. 268,b,26. Hit. 123,19. ्राजीनी gaṇa राजदत्तादि zu P. 2,2,31. ह्रोतकहत्त adj. 6,2,1, Schol. त्रयः ह्रातका भवत्ति विधानहातका त्रतातका त्रवातका विधानहातका मिकानका सिकानका स्थानका स्थान